www.PapaCambridge.com

CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS

General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI 8687/2

PAPER 2 Reading and Writing 9687/2

OCTOBER/NOVEMBER SESSION 2002

1 hour 45 minutes

Additional materials:
Answer paper

TIME 1 hour 45 minutes

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Write your name, Centre number and candidate number in the spaces provided on the answer paper/answer booklet.

Answer all the questions.

Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.

You should keep to any word limits given in the questions.

If you use more than one sheet of paper, fasten the sheets together.

INFORMATION FOR CANDIDATES

Dictionaries are not permitted.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

परिक्षार्थियों के लिए निर्देश

अपना नाम, केन्द्र–संख्या और छात्र–संख्या उत्तर–पुस्तिका में दिए गए स्थानों में लिखिए ।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

उत्तर–पुस्तिका में, अपने उत्तर हिन्दी में लिखिए ।

अपने उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखिए ।

यदि आप अन्य पृष्ठों का प्रयोग करें तो उन्हें उत्तर–पुस्तिका के साथ बाँध दें ।

परिक्षार्थियों के लिए सूचना

शब्द कोष का प्रयोग निषेध है ।

प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न–अंश के अंत में अंकों की संख्या कोष्ठकों [ ] में दी गई है ।

www.PapaCambridge.com

भाग 1

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

बाईबल में, सुलेमान राजा ने एक परामर्श दिया है । यह परामर्श उन लोगों के लिए है जो अल्प ज्ञान पाकर ही प्रसिद्ध होना चाहते हैं । उन्होंने कहा, "अरे आलसियों, चींटियों के पास जाओ, उनके व्यवहार का अध्ययन करो और ज्ञानी बनो।" इस कहावत को प्रसिध्द वैज्ञानिक एडवर्ड ओ विलसन ने साकार कर दिखाया ।
चींटियों का व्यावहारिक निरीक्षण विलसन ने बहुत सूक्ष्मता से किया है और इनके साथ उनका आजीवन लगाव रहा है। चींटियों के असंख्य प्रकार हैं परंतु विज्ञान अभी तक इनके कई प्रकारों से अनभिज्ञ है। यह सच है कि चींटियाँ शास्त्रीय संगीत के रागों को लेखनी में नहीं ढाल सकती किंतु वे सुरुचिपूर्ण और जटिल सामाजिक समुदायों को अत्यंत कुशलता से अवश्य चलाती हैं। यह भी सच है कि उनके बिना सद्भावना इस पृथ्वी से विलुप्त हो जाएगी। विलसन ने खोज निकाला कि चींटियाँ आपस में किस प्रकार संदेश का आदान प्रदान करती हैं। वे एक तरह का रसायन पैदा करती हैं जिसके द्वारा वे अपने उन्नत समुदाय के सभी नियमों का पालन करके उसे कुशलता पूर्वक चलाने में समर्थ होती हैं। एकदम सही अंकों में मिल कर काम करना व बिल्कुल सही कायदे से सब काम को निभाने के लिए इन नन्हें कीटाणुओं का विकास हुआ। इनके विस्तीर्ण व्यवहारों की भविष्यवाणी बिल्कुल गणित के समीकरणों की तरह की जा सकती है। इनके समुदायों में रानियों के अतिरिक्त पुनरुत्पादन और कोई नहीं करता किंतु अपने समुदाय के भले के लिए, ये सभी, बिना किसी विरोध के, सहयोग से, अपना अपना काम निभाती हैं। ये अपनी जाति के प्रजनन के लिए अपनी आहुति देने को तैयार हैं। चींटियों की इन्हीं अटूट चेष्टाओं, इनकी विधियों एवं रीति रिवाजों के अध्ययन से, विलसन को मानव–स्वभाव को समझने का सूत्र मिला। वे इस निष्कर्ष पर भी पहुँचे कि आनुवंशिक रूप से कुछ मानव जीव दूसरों की अपेक्षा उत्कृष्ट हैं। 1975 में इस सुझाव ने संसार के कई समाचार पत्रों में सनसनी मचा दी थी। जर्मनी के नाजी सिद्धान्तों से इसकी तुलना की जाने लगी । विलसन जैसे नम्र और उदार व्यक्ति इस विवाद के पात्र बन सकते हैं इस की कल्पना करना भी कठिन है परंतु वाद–विवाद शांत हो जाने के पश्चात् क्रमिक विकास के क्षेत्र में विलसन की स्थिति इतनी ऊँची उठी कि इनकी तुलना चार्ल्स डारविन से की जाने लगी । इन्हें विज्ञान और प्राकृतिक संरक्षण के लिए कई पुरस्कार मिले । चींटियों पर अटूट वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए 1990 में इनको एक और पुरस्कार मिला।
ये बीसवीं शताब्दी के महान चिन्तकों में गिने जाते हैं तथा एक विशिष्ट समन्वयकारी हैं। अपने अथाह ज्ञान को इतने संगठित रूप से प्रस्तुत करते हैं कि लोग उसे समझ सकें । इसके अतिरिक्त इनकी लेखनी हास्य, व्यंग और प्रेरणा से परिपूर्ण है । इसके साथ–साथ वे मिथ्या, नवीनता के नाम पर उपविज्ञान और नए युग की खोखली नई विचार धाराओं को आड़े हाथ लेकर सच्चाई प्रस्तुत करने से सकुचाते नहीं । इनका कहना है कि इनका देश, अमरीका अन्य प्रगतिशील देशों पर भीषण दबाव डाल रहा है । यहाँ के औसत निवासी के रहन सहन का स्तर बनाए रखने के लिए 24 एकड़ ज़मीन की आवश्यकता होती है जब कि अन्य प्रगतिशील देशों में इसका केवल एक दशम हिस्सा ही काफी है । इस हिसाब से तो आज की तकनीकी उन्नति को ध्यान में रखते हुए, विश्व के 60 अरब लोगों को, अमरीकी रहन सहन के स्तर तक लाने के लिए, पृथ्वी की तरह अन्य चार ग्रहों की आवश्यकता होगी तब कहीं जाकर अमरीकी रहन सहन के स्तर की बराबरी की जा सकेगी ।

www.PapaCambridge.com

1 नीचे दिए गए शब्दों की परिभाषा के लिए, उपरोक्त अनुच्छेद से उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिससे अर्थ स्पष्ट हो जाए ।
उदाहरण : सलाह
उत्तर : परामर्श

(a) मालूम न होना [1]

(b) दिलचस्प [1]

(c) बार–बार पैदा करना [1]

(d) जान देना [1]

(e) वंश के अनुसार [1]

[पूर्णांक : 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द/उक्ति का प्रयोग करके ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए ।
उदाहरण : व्यवहार
विलसन ने जीवन भर चींटियों के व्यवहार का अध्ययन किया ।

(a) भविष्यवाणी [1]

(b) अटूट चेष्टाओं [1]

(c) संरक्षण [1]

(d) विचार धाराओं [1]

(e) भीषण [1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए ।
(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गई है । इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं । पूर्णांक : 15 + 5 = 20)

(a) चींटियाँ अपने समुदाय को उचित रूप से चलाने में कैसे समर्थ होती हैं ? [2]

(b) 'चींटियों के बिना सद्भावना इस पृथ्वी से लुप्त हो जाएगी' । इसका क्या अभिप्राय है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए । [4]

(c) चींटियों के अध्ययन से विलसन को मानव स्वभाव का क्या ज्ञान मिला और उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई ? [4]

(d) यह कैसे पता चलता है कि विलसन की महिमा 1975 के पश्चात समाप्त नहीं हुई ? [3]

(e) इस गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है ? [2]

[पूर्णांक : 20]

www.PapaCambridge.com

भाग 2

अब द्वितीय अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

बीसवीं शताब्दी में भारत की प्रगति सराहनीय रही है । स्वतंत्रता पाने, गणतंत्र की स्थापना तथा प्रजातंत्र राज्य की नींव डालने से लेकर आज तक जो उन्नति हुई है, आज से 55 वर्ष पहले उसकी कल्पना करना भी कठिन था । विदेशों में भारतीय सामान का निर्यात बढ़ता जा रहा है विशेषकर छपाई, कढ़ाई, बुनाई और नक्काशी में तो इसका जवाब नहीं । यहां की ग्रामीण स्त्रियों की प्रतिभा आश्चर्यजनक है । इन्होंने 'इनटीरियर–डेकोरेशन', फैशन और डिज़ाइन का अध्ययन औपचारिक रूप से नहीं किया है । इनकी शिक्षा, परम्परागत इनके परिवार में ही हुई है । तीन पीढ़ियों की स्त्रियाँ आज भी एक साथ काम करती हुई दिखाई देती हैं । किन्तु भारत में, अमीरी और ग़रीबी के बीच का भारी अंतर, धर्म और सामुदायिक मतभेदों का राजनीतिज्ञों द्वारा दुरुपयोग और उसे अपने स्वार्थ के लिए भड़काना, संस्थानों में भ्रष्टाचार और घूसखोरी, अभी भी उपस्थित है ।
प्रगतिशील भारत ने इक्कीसवीं शताब्दी में कदम रखा ही था कि भूकम्प के प्रकोप ने गुजरात और सौराष्ट्र में विनाश की धारा बहा दी । 100,000 व्यक्तियों के प्राण गए और 500,000 व्यक्ति बेघर हो गए । पिछले दस वर्षों का यह सबसे घातक प्राकृतिक विनाश माना गया है । इसके कुछ सप्ताह बाद ही अमरीका के सियाटल शहर में एक भूकम्प आया जो रिक्टर स्केल पर भारतीय भूकम्प के बराबर था पर वहाँ केवल 7 या 8 व्यक्ति मरे । भारतीय भूकम्प में ऊँची–ऊँची इमारतों के गिरने के कारण थे उनकी बुनियाद और घटिया वस्तुओं का प्रयोग । अभियंता, वास्तुकार और ठेकेदार एक दूसरे को दोष देते हैं । जहाँ उन्नत देशों में यह अग्राह्य होगा वहाँ भारतवासी इसे भाग्य समझकर स्वीकार कर लेते हैं ।
वैज्ञानिकों के अनुसार मानव जाति पृथ्वी का इतना दुरुपयोग कर रही है कि प्रतिदिन उसका संतुलन अव्यवस्थित होता जा रहा है । इसमें पश्चिमी देशों का बड़ा हाथ है । यहाँ तक कि अमरीका जैसा समृद्ध व संपन्न देश भी अपना प्रदूषण एशियायी देशों में भेजा करता था । मानव जाति के दुरुपयोग को आखिर धरती कितना सहे ? लेकिन सबसे बड़ा दुख तो यह है कि प्रत्येक प्राकृतिक प्रकोप में दरिद्र ही सबसे ज़्यादा पिसते हैं ।

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए ।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गई है । इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं । पूर्णांक : 15 + 5 = 20)

(a) बीसवीं शताब्दी में भारत की प्रगति के सराहनीय होने के कारणों का उल्लेख कीजिए । [2]

(b) ग्रामीण स्त्रियों की प्रतिभा का आश्चर्यजनक होने के क्या कारण हैं? उदाहरण सहित लिखिए । [3]

(c) क्या बीसवीं शताब्दी में भारत में सब कुछ सराहनीय था? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए । [4]

(d) इक्कीसवीं शताब्दी में भारत को किस संकट ने आ घेरा और उसका क्या परिणाम हुआ ? कारणों सहित उत्तर दीजिए । [3]

(e) अमरीका और भारत के भूकम्पों में क्या अंतर था और इसके क्या कारण थे? [3]

[पूर्णांक : 20]

www.PapaCambridge.com

5 **(a)** उपरोक्त दो अनुच्छेदों की तुलना एक दूसरे से कीजिए और और यह बताइए कि किस विषय
इन दोनों में की गई है और क्यों? [

(b) दोनों अनुच्छेदों को पढ़कर पृथ्वी के संतुलन के बारे में आप किस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं ?
अपनी राय कारणों सहित दीजिए । [5]

दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए । [भाषा और शैली : 5]

[पूर्णांक : 20]

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com